# आरटीआई जानकारी को लेकर जनजाति कार्य विभाग में मचा हड़कंप

## जानकारी से प्राचार्य ने किया मना : प्राचार्य ने खुद को बचाने सहायक आयुक्त पर लगाया आरोप, बोले— अधिकारी मना कर रहे हैं, इसलिए जानकारी नहीं दी

**सिवनी नवभारत।** सिवनी। जनजाति कार्य विभाग अंतर्गत संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बकोड़ी में सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी को लेकर विवाद गहरा गया है। विद्यालय के प्राचार्य प्रभुकर गजभिए द्वारा जानकारी देने से इनकार किए जाने के बाद विभागीय गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। मामला अब केवल सूचना उपलब्ध न कराने तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि प्राचार्य द्वारा अपने बचाव में वरिष्ठ अधिकारियों का हवाला दिए जाने से विभाग में हलचल बढ़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदक द्वारा विद्यालय से विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी मांगी गई थी। इसके जवाब में विद्यालय कार्यालय से जारी पत्र में आवेदन को यह कहते हुए अमान्य कर दिया गया कि एक ही आवेदन में कई प्रकार की जानकारियां मांगी गई हैं, इसलिए सूचना उपलब्ध नहीं कराई जा सकती।

विवाद उस समय और गहरा

गया जब प्राचार्य प्रभुकर गजभिए ने संवाददाता से चर्चा के दौरान कथित रूप से कहा कि जब हमारे वरिष्ठ अधिकारी ही जानकारी देने से मना कर रहे हैं तो हम जानकारी क्यों दें? प्राचार्य के इस बयान के बाद पूरे जनजाति कार्य विभाग में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

विभागीय सूत्रों का कहना है कि किसी भी लोक सूचना अधिकारी द्वारा सूचना न देने का निर्णय उसकी स्वयं की जवाबदेही के अंतर्गत आता है। ऐसे में किसी वरिष्ठ अधिकारी पर जिम्मेदारी डालना कई सवाल खड़े करता है। वहीं दूसरी ओर सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग लाल सिंह मीणा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि आवेदक को जानकारी नहीं दी गई है तो वह नियमानुसार प्रथम अपील प्रस्तुत करे, विभाग नियम अनुसार जानकारी उपलब्ध कराने की कार्रवाई करेगा।

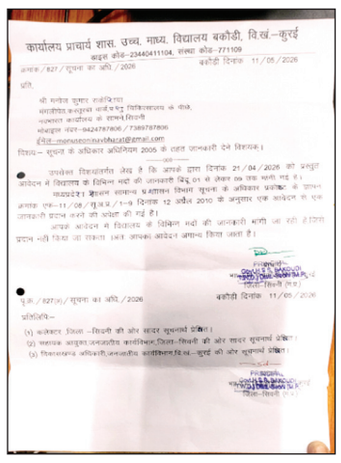

यही विरोधाभासी बयान अब पूरे विवाद का केंद्र बन गया है। एक ओर प्राचार्य वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश का हवाला देकर जानकारी रोकने की बात कह रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सहायक आयुक्त अपील के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराने की बात कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है



कार्यालय प्राचार्य शास. उच्च. माध्य. विद्यालय बकौडी, वि.खं.–कुरई
डाइस कोड–23440411104, संस्था कोड–771109
क्रमांक/827/सूचना का अधि./2026 बकौडी दिनांक 11/05/2026
प्रति,
श्री मनोज कुमार राकेशिया
मंगलीपेठ,कस्तूरबा वार्ड,प.पु. चिकित्सालय के पीछे,
नवभारत कार्यालय के सामने,सिवनी
मोबाइल नंबर–9424787806/7389787806
ईमेल–monuseoninavbharat@gmail.com
विषय– सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत जानकारी देने विषयक।
उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आपके द्वारा दिनांक 21/04/2026 को प्रस्तुत आवेदन में विद्यालय के विभिन्न मदों की जानकारी बिंदू 01 से लेकर 09 तक मांगी गई है।
मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग सूचना के अधिकार प्रकोष्ठ के ज्ञापन क्रमांक एफ–11/08/सू.अ.प्र/1–9 दिनांक 12 अप्रैल 2010 के अनुसार एक आवेदन से एक जानकारी प्रदान करने की अपेक्षा की गई है।
आपके आवेदन में विद्यालय के विभिन्न मदों की जानकारी मांगी जा रही है जिसे प्रदान नहीं किया जा सकता। अतः आपका आवेदन अमान्य किया जाता है।
PRINCIPAL
Govt.H.S.S. BAKOUDI
पृ.क्र./827(अ)/सूचना का अधि./2026 बकौडी दिनांक 11/05/2026
प्रतिलिपि:–
(1) कलेक्टर,जिला –सिवनी की ओर सादर सूचनार्थ प्रेषित।
(2) सहायक आयुक्त,जनजातीय कार्यविभाग,जिला–सिवनी की ओर सादर सूचनार्थ प्रेषित।
(3) विकासखण्ड अधिकारी,जनजातीय कार्यविभाग,वि.खं.–कुरई की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
PRINCIPAL
Govt.H.S.S. BAKOUDI



कि आखिर वास्तविक स्थिति क्या है? क्या जानकारी जानबूझकर रोकी जा रही है या फिर किसी संभावित गड़बड़ी को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है?

कुछ लोगों का यह भी कहना है कि या तो विद्यालय प्रशासन को आरटीआई अधिनियम की प्रक्रिया की पर्याप्त जानकारी नहीं है, या फिर जानबूझकर अनभिज्ञता दिखाकर मामले को टालने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्र में भी चर्चाओं का दौर तेज

### अन्य विद्यालयों से मिल चुकी है जानकारी

सूत्रों के अनुसार आवेदक द्वारा मांगी गई कई जानकारियां जिले के अन्य विद्यालयों से उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। हालांकि कुछ विद्यालयों में अभी आरटीआई आवेदन की 30 दिन की समयसीमा पूरी नहीं हुई है। इसके बावजूद केवल बकोड़ी विद्यालय द्वारा जानकारी देने से बचने का प्रयास किए जाने से संदेह और गहरा गया है। चर्चा यह भी है कि कहीं विद्यालय में वित्तीय अथवा प्रशासनिक अनियमितताओं से जुड़े तथ्य सामने आने के डर से सूचना तो नहीं रोकी जा रही। विभागीय जानकारों का कहना है कि यदि सहायक आयुक्त के निर्देशानुसार निष्पक्ष तरीके से जानकारी उपलब्ध कराई जाती है तो कई तथ्य सामने आ सकते हैं और यह स्पष्ट हो सकेगा कि आखिर जानकारी देने से बचने की स्थिति क्यों बनी।

ग्रामीण क्षेत्र में भी विद्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाएं लगातार तेज होती जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्राचार्य प्रभुकर गजभिए का कार्यकाल जहां-जहां रहा, वहां किसी न किसी प्रकार का विवाद सामने आता रहा है। सूत्रों के अनुसार गणेशगंज में पदस्थापना के दौरान भी उन पर कई प्रकार के आरोप लगे थे और उनका नाम कई बार सुर्खियों में रहा। अब बकोड़ी विद्यालय में भी उसी प्रकार की कार्यशैली अपनाए जाने की चर्चाएं ग्रामीणों के बीच हो रही हैं।

विभागीय जानकारों का कहना है कि सूचना का अधिकार अधिनियम पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाया गया है, लेकिन यदि अधिकारी ही जानकारी देने से बचने लगें और जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालने लगें तो यह पूरी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करता है।

अब नजर इस बात पर है कि आवेदक द्वारा प्रथम अपील किए जाने के बाद विभाग क्या रुख अपनाता है और क्या मांगी गई जानकारी सार्वजनिक हो पाती है या नहीं। फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम ने जनजाति कार्य विभाग में हलचल बढ़ा दी है और विद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल लगातार उठ रहे हैं।

### इनका कहना है

भाई आप जो भी प्रक्रिया है अपील करदो जानकारी उपलब्ध करा दी जाएगी

**लाल सिंह मीणा सहायक आयुक्त, जनजाति कार्य विभाग**

एक तो बहुत सारी जानकारी मांगी है उतनी जानकारी नहीं दे सकते कुछ लोगों ने कैसे दे दिया नहीं मालूम मुझे ऐसी साहब चिल्लाएंगे और डाटेंगे अगर जानकारी दे दिया तो

**प्राचार्य प्रभुकर गजभिए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बकोडी**

## एक नजर में

### यूपी-आंध्रा ट्रांसपोर्ट का शुभारंभ

सिवनी। जिला कतिया समाज समिति शाखा सिवनी पंजीयन 10277 के नगर अध्यक्ष दयाराम उर्फ बबलू कौशले के द्वारा छिंदवाड़ा बायपास में यू पी आंध्रा ट्रांसपोर्ट के कार्यालय का शुभारंभ कार्यक्रम में सिवनी जिले से अध्यक्ष कृष्णाकुमार डोंगरे,कोषाध्यक्ष डी डी नाग, उपाध्यक्ष नंदकिशोर राकेशिया, डालचंद बंजारे, अंतराम सैनिक, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नत्थू राकेश,ब्लॉक अध्यक्ष श्री विजय अर्जुनवार, गोलू नागोत्रा,तथा अन्य सामाजिक बंधु तथा छिंदवाड़ा जिला समिति से अध्यक्ष महेंद्र नागवंशी ,सचिव मोहन बेलवंशी, श्री मिश्रा चंद्रपुरिया,श्री गोहिया , युधिष्ठिर नागवंशी , कमलेश बेलवंशी तथा अन्य सामाजिक बंधु गण शामिल हुए । पूजन आरती पश्चात प्रसाद फल स्वल्पाहार किया गया सभी मिलका सामाजिक विषयों पर चर्चा भी किया गया । बहुत ही खुशी का माहौल रहा जो कि अपने सामाजिक बंधु ने एक नए कार्य का शुभारंभ किया जिसमें काफी संख्या में सामाजिक बंधुओं ने उपस्थित हुए सभी श्री दयाराम उर्फ बबलू कौशले जी इस कार्य के लिए धन्यवाद देते हुए भूरी भूरी प्रशंसा किए और उनके परिवार को हार्दिक बधाई शुभकामना देते हुए उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है । कार्यक्रम के पश्चात सामाजिक बंधु श्री कुबेरसिंह सिगोतिया जी के निवास स्थान में उनके आग्रह पर सभी सामाजिक बंधुओं गण पहुंचा कर सामाजिक संपर्क कर चर्चा किया गया ।

### चिलचिलाती धूप में ड्यूटी में डटे एएसआई नानकराम पाल



सिवनी। तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच मंडला रोड पर यातायात व्यवस्था संभालते हुए एएसआई नानकराम पाल वाहन चालकों को लगातार यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दे रहे हैं। उन्होंने वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने एवं यातायात संकेतों का पालन करने की समझाइश दी। साथ ही सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि नियमों का पालन कर दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। एएसआई नानकराम पाल द्वारा लोगों को सुरक्षित यातायात के लिए जागरूक करने की यह पहल सराहनीय मानी जा रही है।

### जिला शांति समिति की बैठक आज

**सिवनी।** आगामी धार्मिक पर्वों एवं आयोजनों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सिवनी के निर्देशानुसार जिला शांति समिति की बैठक 18 मई 2026 को शाम 5 बजे पुलिस कंट्रोल रूम सिवनी में आयोजित की जाएगी। बैठक में आगामी ईदुज्जुहा (27 मई), महाराणा प्रताप जयंती (17 जून), कबीर जयंती/छठा उत्सव तथा मोहर्रम सहित अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, पेयजल, विद्युत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। बैठक में पुलिस, राजस्व, नगर पालिका, स्वास्थ्य, विद्युत, वन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ शांति समिति के सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों एवं समिति सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर आपसी समन्वय बनाए रखने की अपील की गई है।

## नाबालिग से दुष्कर्म मामले में मुख्य आरोपी सहित 3 गिरफ्तार

**रिसोर्ट में बीयर पिलाकर की गई थी वारदात**

**सिवनी नवभारत।** पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशानुसार महिला संबंधी अपराधों में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत थाना कुरई पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है।

गत 16म मई को एक नाबालिग बालिका द्वारा थाना कुरई में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 15.04.2026 को आरोपी आशीष उसे बहला-फुसलाकर सुकतरा



स्थित शांति वन रिसोर्ट ले गया था। वहां आरोपी अंकित सनोडिया एवं अन्य साथियों द्वारा उसे बीयर पिलाई गई। नशे की हालत में आरोपी अंकित सनोडिया द्वारा उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए गए। सूचना प्राप्त होते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। महिला थाना से महिला उप निरीक्षक द्वारा थाना कुरई आकर पीड़िता का कथन लेखबद्ध किया गया एवं आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम एवं अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में अंकित सनोडिया पिता हरिप्रसाद सनोडिया, उम्र 22 वर्ष, निवासी साई धाम कॉलोनी, डूण्डासिवनी (मुख्य आरोपी), आशीष उर्फ आशु पिता अशोक परते, उम्र 18 वर्ष, निवासी बादलपार, एक विधि विवादित नाबालिग बालक शामिल है।

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर गठित विशेष टीम द्वारा तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

### सराहनीय भूमिका

इस संवेदनशील प्रकरण में त्वरित कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बरघाट ललित गठरे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुरई निरीक्षक के.एस. तेकाम, सउनि शैलेन्द्र डोंगरे, सउनि अजय सिंह परिहार, प्र.आर. राजेश माथरे, प्र.आर. मनोज गोहिया, आर. अविनाश पाण्डेय, आर. चंचलेश नरवरे एवं आर. चालक यशपाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## हरवंश सिंह की पुण्यतिथि पर नगर कांग्रेस ने किया फल वितरण

**सिवनी नवभारत।** मप्र के कद्दावर नेता रहे स्व ठाकुर हरवंश सिंह जी की पुण्यतिथि पर नगर कांग्रेस द्वारा वृद्धजनों को फल वितरण किया गया ।। मप्र विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष एवं मप्र सरकार में पूर्व त्रिविभागीय मंत्री रहे, मप्र के कद्दावर नेताओं में गिने जाने वाले स्वर्गीय ठाकुर



हरवंश सिंह जी की पुण्य तिथि कांग्रेस पार्टी द्वारा मनाई गई। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को फल वितरण किया गया एवं स्व ठाकुर हरवंश सिंह जी को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई । इस कार्यक्रम में नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तनवीर अहमद, जिला कांग्रेस के पूर्व महामंत्री रंजीत यादव, जिला पंचायत सदस्य नितिन डहरिया, हस्ट्ठ जिलाध्यक्ष धनंजय सिंह, आरिफ सफारी, दीप श्रीवास्त्री , आसिम मंसूरी, यश यादव, साजिद, अदनान खान सहित कांग्रेसी उपस्थित हुए ।

## शादी समारोह के बाद सड़क पर खूनी संघर्ष, चाकू से किया ताबड़तोड़ हमला

**सिवनी नवभारत।** कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मेहरा पिपरिया में एक शादी समारोह की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब डीजे पर नाचने की बात को लेकर शुरू हुआ विवाद सड़क पर खूनी खेल में तब्दील हो गया। हमलावरों ने एक युवक को बीच सड़क पर घेरकर उस पर चाकू से ताबड़तोड़ जानलेवा हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि घायल युवक काफी देर तक लहूलुहान हालत में बीच सड़क पर ही तड़पता रहा।

### डीजे पर डांस को लेकर हुआ था विवाद

जानकारी के अनुसार, ग्राम मेहरा पिपरिया में विवाह कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान डीजे पर नाचने की बात को लेकर कुछ युवकों के बीच कहासुनी हो गई। शादी संपन्न होने के बाद भी यह विवाद शांत नहीं हुआ। घात लगाए बैठे हमलावरों ने पीड़ित युवक को सड़क पर अकेला पाकर चारों तरफ से घेर लिया और धारदार चाकू से उस पर हमला कर दिय



बताया जा रहा है कि पीड़ित युवक ग्राम लुंगसा का रहने वाला है। अत्यधिक खून बह जाने और चोटें गंभीर होने के कारण उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए नागपुर रेफर कर दिया

### पुलिस ने दर्ज किया मामला, तलाश जारी

सड़क पर हुई इस सनसनीखेज वारदात के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही कान्हीवाड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए अलग-अलग टीमें बनाई हैं और उनकी तलाश तेज कर दी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## नवनीत मेहरा डहेरिया समाज समिति ने भेंट की सहयोग राशि

**छपारा नवभारत।** विगत दिनों 30 अप्रैल को आए आंधी तूफान में बर्रा निवासी यतेन्द्र नागले एवं उनकी पत्नी श्रीमती जयश्री नागले प्राकृतिक आपदा की चपेट में आने से दोनों की असमय मौत हो गई जिससे ग्राम सहित क्षेत्र में सभी स्तब्ध हो गए वहीं उनके दो छोटे बच्चों को लेकर भी चिंता बन गई वहीं दूसरी ओर जिला सिवनी की नवनीत मेहरा डहेरिया समाज समिति द्वारा आगे आकर 16 मई को दिवंगत दंपत्ति के ग्राम बर्रा में स्थित निवास पर पहुंचकर सामाजिक संगठन के युवा वरिष्ठ एवं महिला सदस्यों द्वारा ढांढस बंधाया और पीड़ित परिवार को एक लाख एक हजार रुपए भेंट की गई ज्ञात हो कि विगत 30 अप्रैल को स्वर्गीय यतेन्द्र नागले एवं श्रीमती



जयश्री नागले एक शादी समारोह से लौट रहे थे उसी दौरान भीमगढ क्षेत्र के चमनपुरी और देवरी माल ग्राम के बीच सड़क में अचानक हृदयविदारक घटना में आग की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गए जिन्हें उपचार हेतु नागपुर मेडिकल में भर्ती कराया गया जहां विगत 1 मई को श्रीमती जयश्री नागले ने दम तोड दिया था वहीं श्री यतेन्द्र नागले भी बारह दिनों तक जिंदगी की जंग लडने के बाद साथ छोड़ गए उक्त घटना को संज्ञान लेते हुए जिला समाजिक संगठन द्वारा अपनी मानवीय संवेदना व्यक्त करते हुए राजेश डहेरिया नवनीत मेहरा डहेरिया समाज समिति सिवनी, विनोद कुमार डहेरिया सहित प्रदेश एवं क्षेत्रीय समाजिक जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर एक नेक और प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

## जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामीणों ने निभाई भूमिका

सिवनी। केवलारी अंतर्गत ग्राम पंचायत अहरवाड़ा में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन किया गया। अभियान को नागरिक केन्द्रित स्वरूप देते हुए ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। ग्रामवासियों ने स्वयं श्रमदान कर जल संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। ग्रामीणों ने अहरवाड़ा-सहजपुरी तलाश जलाशय में जल पूजा कर जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प लिया तथा जलाशय के भीतर से कचरा एवं गाद निकालकर साफ-सफाई की। अभियान के दौरान जलाशय को स्वच्छ एवं स्नान योग्य बनाने के उद्देश्य से सामूहिक श्रमदान किया गया। स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता से पूरे गांव में जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

## नो-एंट्री तोड़ने पर 5 भारी वाहनों पर यातायात पुलिस ने की चालानी कार्रवाई

**सिवनी नवभारत।** शहर में यातायात व्यवस्था बनाए रखने और सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए यातायात पुलिस ने नो-एंट्री का उल्लंघन करने वाले भारी वाहनों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। शनिवार को यातायात थाना पुलिस ने प्रतिबंधित समय में शहर में प्रवेश करने वाले पांच भारी वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये का जुर्माना वसूला। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के निर्देशन में यातायात थाना प्रभारी के नेतृत्व में शहर क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रतिबंधित समयावधि में शहर में प्रवेश कर रहे भारी वाहनों को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान नो-एंट्री का उल्लंघन करते पाए गए पांच वाहनों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। प्रत्येक वाहन पर पांच हजार रुपये के मान से कुल 25 हजार रुपये का समन शुल्क वसूला गया। कार्रवाई जिन वाहनों पर की गई उनमें एमएच 40 सीएम 7919, एमएच 34 एवी 0742, एमएच 40 सीएम 6118, एमपी 50 जेडजी 9955 और एमएच 40 डीसी 1885 शामिल हैं। यातायात पुलिस के अनुसार पिछले चार माह में प्रतिबंधित समय में नगर क्षेत्र में प्रवेश करने वाले 30 भारी वाहनों पर कार्रवाई की जा चुकी है।

**लापरवाही** फरार आरोपी रामकृष्ण डेहरिया पर दस हजार का ईनाम घोषित , बेख़ौफ़ गांव में घूम कर पुलिस को चिढ़ा रहे आरोपी

## देवरीटीका लूटकांड : इनाम, प्रभाव और व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

**सिवनी नवभारत।** कभी-कभी कोई अपराध केवल अपराध नहीं रह जाता। वह व्यवस्था की कार्यप्रणाली, सत्ता के प्रभाव और कानून की विश्वसनीयता का आईना बन जाता है। सिवनी जिले का चर्चित देवरीटीका लूटकांड अब ठीक उसी मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है। आठ महीने बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर बताए जा रहे हैं और अब फरार आरोपी रामकृष्ण डेहरिया पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद यह मामला फिर सुर्खियों में आ गया है। सवाल केवल इतना नहीं है कि आरोपी फरार क्यों हैं। बड़ा सवाल यह है कि आखिर कार्रवाई की गति इतनी धीमी क्यों रही? क्या कानून का पहिया आम आदमी और प्रभावशाली लोगों के लिए अलग-अलग रफ्तार से घूमता है?

17 सितंबर 2025 को हुई इस वारदात ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। पुलिस ने शुरुआती कार्रवाई जरूर की, कुछ गिरफ्तारियां भी हुईं, लेकिन जिन चेहरों को मामले का मास्टर माइंड बताया जाता रहा, वे लंबे समय तक कानून की पहुंच से बाहर बने रहे। गांवों की चौपालों, बाजारों और चाय की दुकानों पर अब यही चर्चा सुनाई देती है कि यदि आरोपी वास्तव में फरार थे, तो इतने महीनों तक पुलिस उन्हें पकड़ क्यों नहीं सकी? रामकृष्ण डेहरिया को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। स्थानीय स्तर पर उन्हें एक सामाजिक-वैचारिक संगठन से जुड़ा सक्रिय चेहरा बताया जाता रहा है। यह सच है कि किसी संगठन को किसी व्यक्ति के कथित अपराध से जोड़ना उचित नहीं माना जा सकता, लेकिन जब किसी संगठन से जुड़े नाम गंभीर आरोपों में सामने आते हैं, तो उसकी सामाजिक विश्वसनीयता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक हो जाता है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया, जब फरियादी प्रदीप दुबे को न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस विभाग से जवाब तलब किया। अदालत की सख्ती के बाद अचानक पुलिस की सक्रियता बढ़ी, फरार आरोपियों पर इनाम घोषित हुए और दबिश की कार्रवाइयां तेज हो गईं। इसके बाद एक आरोपी की गिरफ्तारी भी हुई।

यहीं से व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है— क्या कार्रवाई अदालत की निगरानी के बिना संभव नहीं थी? यदि न्यायालय हस्तक्षेप न करता, तो क्या मामला इसी तरह फाइलों में दबा रहता?

देश में यह विडंबना लगातार गहरी होती जा रही है कि आम आदमी को कानून तुरंत कठोर दिखाई देता है, लेकिन प्रभावशाली लोगों के मामलों में वही कानून असामान्य रूप से धीमा पड़ जाता है। यही धारणा व्यवस्था पर जनता के भरोसे को कमजोर करती है। लोकतंत्र केवल अदालतों और कानून की किताबों से नहीं चलता, बल्कि जनता के उस विश्वास से चलता है कि कानून सबके लिए बराबर है। देवरीटीका लूटकांड अब केवल पुलिस डायरी का हिस्सा नहीं रह गया। यह उस संघर्ष का प्रतीक बनता जा रहा है, जिसमें एक तरफ न्याय की उम्मीद लगाए बैठा आम नागरिक है और दूसरी तरफ प्रभाव, पहुंच और व्यवस्था की सुस्त चाल।

अब निगाहें इस बात पर हैं कि बाकी फरार आरोपी कब तक गिरफ्त में आते हैं, अदालत की निगरानी आगे क्या रुख अपनाती है और क्या यह मामला व्यवस्था को आत्ममंथन के लिए मजबूर करेगा।

क्योंकि किसी भी समाज में सबसे खतरनाक स्थिति वह नहीं होती जब अपराध बढ़ते हैं, बल्कि वह होती है जब लोगों का कानून पर भरोसा कम होने लगता है।

## भुनेश के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का स्वागत

**सिवनी नवभारत।** भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का भुनेश कुल्हाड़े के नेतृत्व में भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पूरा क्षेत्र नारों, बैंड-बाजों और कार्यकर्ताओं की ऊर्जा से गूंज उठा।

इस भव्य आयोजन में भारतीय जनता पार्टी के जिले से आए सभी प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। नगर ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी सैकड़ों की संख्या में युवा कार्यकर्ता शामिल हुए, जिससे कार्यक्रम ने एक विशाल जनसमूह का रूप ले लिया।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन किया, वहीं कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर सम्मान व्यक्त किया गया। पूरे बाहुबली चौक को आकर्षक तरीके से सजाया गया था, जो कार्यक्रम की भव्यता को और बढ़ा





रहा था। भुनेश कुल्हाड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह स्वागत केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि युवा शक्ति और संगठन की मजबूती का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने भी अपने संबोधन में युवाओं के जोश और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा देश के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है और आने वाले समय में युवा ही राजनीति की दिशा तय करेंगे।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। यह आयोजन नगर में चर्चा का विषय बना रहा और इसे अब तक के सबसे बड़े स्वागत कार्यक्रमों में से एक माना जा रहा है।